

[7]

## SARDAR PATEL UNIVERSITY

M.A. II<sup>nd</sup> Semester, Hindi (NC) EXAMINATIONThursday, 2<sup>nd</sup> November -2017

10-00a.m.to1-00 p.m.

PA02CHIN01 (रीति काव्य)

पूर्णांक : 70

प्रश्न-1. सतसई परंपरा में बिहारी के स्थान को निर्धारित कीजिए।

अथवा

(17)

पद्माकर के काव्य सौन्दर्य को उजागर कीजिए।

प्रश्न-2. घनानंद की प्रेम भावना को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

(17)

देव की काव्य विशेषताओं को सोदाहरण समझाइए।

प्रश्न-3. किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए-

(18)

क. बिहारी के प्रेम-परक दोहें

अथवा

पद्माकर की रचनाएं

ख. घनानंद की रचनाएं

अथवा

देव की काव्य कला

प्रश्न-4 ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए।

(18)

क. "घनआनंद जीवनमूल सुजान की कौध नहं न कहं दरसै।  
सु न जानिये थौं कित छाय रहे दृग चातिग प्रान तरे तरसैं।।  
बिन पावस तौ इन थ्यावस हो न सु क्यों करि ये अब सो परसैं।  
बदरा बरसै रितु मै धिरिकै नितही अंखिया उघरी बरसैं।। "

अथवा

क. "माखन सो मन दूध सो जोवन है दधि ते अधिकै उर ईठी।  
जा छवि आगे छपाकर छाछ बिलोकि सुधा वसुधा सब सीठी।।  
नैनन नेह चुवै कवि 'देव' बुझावति बैन बियोग अंगीठी।  
ऐसी रसीली अहीरी अहै, भला क्यों न लगे मनमोहन मीठी।।"

ख. "सजनबिहूनी सेज पर परे पेखि मुकतान।

तबहि तिया को तन भयो मनौ अधपक्यो पान।।"

अथवा

ख. "जब जब वै सुधि कीजिये, तब सब सुधि जाँहि।

आँखिनु आँखि ली रहैं आँखें लगति नाँहि।।"

[42]

No. of printed page: 1

**SARDAR PATEL UNIVERSITY**  
**M. A. (II Semester) Examination**  
**Wednesday, 08<sup>th</sup> November 2017**  
**10.00 am – 1.00 pm**  
**PA02CHIN03 - HINDI**  
**हिन्दी भाषा**

Total Marks : 70

- प्र.१ प्राचीन भारतीय आर्यभाषा के भाषिक रूपों का परिचय देते हुए उनके साहित्यिक महत्त्व को रेखांकित कीजिए । (१७)

अथवा

- प्र.१ मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाओं में कौन-कौन सी भाषाएँ आती हैं? सबकी दो-दो विशेषताएँ बताइए ।

- प्र.२ पूर्वी हिन्दी की बोलियों के रूपगत वैशिष्ट्य पर विचार कीजिए । (१८)

अथवा

- प्र.२ सम्पर्क भाषा को परिभाषित करते हुए सम्पर्क भाषा हिन्दी का स्वरूप स्पष्ट कीजिए ।

- प्र.३ राजभाषा हिन्दी की विशेषताओं को सोदाहरण समझाइए । (१७)

अथवा

- प्र.३ हिन्दी की शब्द रचना और रूप रचना का संक्षिप्त परिचय दीजिए ।

- प्र.४ टिप्पणी लिखें (किन्हीं दो) (१८)

- (१) आधुनिक भारतीय आर्यभाषाएँ
- (२) हिन्दी की स्वनिम व्यवस्था
- (३) राजभाषा की परिभाषा और महत्त्व
- (४) पश्चिमी हिन्दी की बोलियाँ

[56] Seat No. \_\_\_\_\_

No. of printed page: 1

**SARDAR PATEL UNIVERSITY**  
**M. A. (II Semester) Examination**  
**Monday, 13<sup>th</sup> November 2017**  
**10.00 am – 1.00 pm**  
**PA02AEHIN03 - HINDI**  
**लोकविधाएँ**

**Total Marks : 70**

प्र.१ लोकगीत क्या है? समझाइए।

(१७)

अथवा

प्र.१ लोकगीत के प्रकार उजागर कीजिए।

प्र.२ लोकगाथा के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।

(१८)

अथवा

प्र.२ किसी एक पठित लोकगाथा का परिचय दीजिए।

प्र.३ लोककथा का स्वरूप उजागर कीजिए।

(१७)

अथवा

प्र.३ लोककथा के उत्पत्ति-सिद्धांतों की चर्चा कीजिए।

प्र.४ भवाई लोकनाट्य का परिचय प्रस्तुत कीजिए।

(१८)

अथवा

प्र.४ किसी एक पठित लोकनाट्य की चर्चा कीजिए।

\_\_\_\_\_